वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 42 | शुक्रवार 6 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरूआत

जल संचयन को बढ़ावा देना अभियान का लक्ष्य, आमजन लें बढ़-चढ़कर हिस्सा: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जल ही जीवन, सभी मिलकर करें प्रकृति का संरक्षण, राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया श्रमदान, "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत लगाया सिंदूर का पौधा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि गुरूवार से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें। परंपरागत जलस्त्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो। शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब रामगढ़ बांध को एक बार फिर जल से परिपूर्ण करने के लिए श्रमदान करने हेतु एकत्रित हुए हैं। आज हमारे द्वारा बहाई गई पसीने की एक-एक बूंद भविष्य में यहां पानी के बड़े भंडार में बदलकर प्रदेशवासियों के लिए अमृत का काम करेगी। उन्होंने इस अवसर पर जल संचयन एवं संरक्षण के कार्य करने के लिए पत्रिका समूह का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने लगाया सिंदूर का पौधा

मुख्यमंत्री ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। इस दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं पर्यावरणविद् उपस्थित रहे।

जल संचयन के कार्यों में जनमानस दें अपना योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृहद स्तर पर जनमानस को जोड़ते हुए जल संग्रहण कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा "वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान" शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेशवासियों का अपना अभियान है एवं इसमें सभी की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जल स्त्रोतों, नदियों, जल धाराओं और तालाबों की पूजा-अर्चना करें तथा इनके संरक्षण में बढ़-चढ़कर योगदान दें। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। मोदी ने देशभर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष मानसून सीजन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। आगामी वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि इस अभियान के तहत सभी कम से कम एक पेड़ लगाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को गति मिले।

प्रदेश में पानी की आपूर्ति के लिए उठाए महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिएहैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।

कर्मभूमि से मातृभूमि के तहत प्रवासी निभा रहे जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सतही जल कम होने के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में परंपरागत जल स्त्रोतों को साफ-सुथरा रखकर और नए जल स्त्रोतों का निर्माण कर हम पानी की लगातार बढ़ती जरूरत को पूरा कर सकते हैं। इसी क्रम में हमने इस साल जनवरी में ह्यकर्मभूमि से मातृभूमिह्व अभियान शुरू किया। प्रवासी राजस्थानी के माध्यम से प्रदेश में प्रत्येक जिले में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाएगा तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। इस अवसर पर जमवारामगढ़ के विधायक महेन्द्र पाल मीणा ने गंगा नदी के जल का कलश मुख्यमंत्री को भेंट किया। कार्यक्रम में पत्रिका समूह द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ आगाज, विद्यार्थियों, अभिभावकों द्वारा पौधारोपण कर किया जाएगा। प्राचार्य आर सी मीणा ने बताया कि यह अभियान मिशन लाइफ के लिए इको क्लब के अंतर्गत 30 सितंबर तक चलेगा। मिशन लाइफ एक पहल है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देना है ।यह मिशन लोगों को अपने दैनिक जीवन में छोटे छोटे बदलाव करने के लिए प्रेरित करता है जिससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सके। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी विद्यार्थियों को निर्देश भेजा गया है कि वह अपनी माता के संग पौधारोपण करते हुए फोटो उनको भेजें।

लायनेस्टिक वर्ष 2025.26 की रूप रेखा हेतु प्री बोर्ड मीटिंग का आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर।विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की अजमेर शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था की वर्ष 2025.26 की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट एवं सचिव लायन दिनेश शर्मा ने लायनेस्टिक सत्र 2025.26 जोकि आगामी 1 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है कि कार्य विधि की रूप रेखा प्रस्तुत की एवं कार्यकारिणी सदस्यों एवं क्लब के पूर्व अध्यक्षगणों के सुझाव को आमंत्रित किया एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए। जन संपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर 5 महत्वपूर्ण कार्यों की कमेटी को तैयार करने की सदन में जानकारी दी गई।सभी प्रस्तावों की सदन में अनुमोदना की गई। अंत में कोषाध्यक्ष लायन राकेश गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विख्यात तेजाजी पीठ रामपुरा पर 108 कुण्डात्मक भगवान विष्णु महायज्ञ संपन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के निकट विख्यात रामपुरा तेजाजी बासक बाबा पीठ पर चल रहे 9 दिवसीय विशाल धार्मिक कार्यक्रम का गुरुवार को जयकारों के बीच पीठाधीश्वर रमाकांत दास महाराज के नेतृत्व में धूमधाम से समापन हुआ। समिति अध्यक्ष चतरसिंह राठौड़ एवं अखिल भारतीय पंच मालाधारी निर्मोही अखाड़ा के सचिव महंत रामदास महाराज ने जानकारी दी कि गुरुवार को 108 कुंडात्मक विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद दूरदराज से धार्मिक कार्यक्रम में आए हुए संत कोटा रोड तिराहे तक सड़क को चौड़ी एवं पैवरीकरण कराने की मांग की। विधायक लाम्बा ने श्रद्धालुओं की भावना और आवश्यकता को देखते हुए इस कार्य को तुरंत कराने का आश्वासन दिया। नौ दिवस से इस विशाल धार्मिक कार्यक्रम में प्रशासन एवं पुलिस का माकूल इंतजाम देखा गया। कार्यक्रम में यह रहे मौजूद : पीठाधीश्वर रमाकांत दास महाराज, महन्त रामदास महाराज, अध्यक्ष चतरसिंह राठौड़, गोवर्धन सिंह राठौड़, नन्दलाल शर्मा, कृष्णगोपाल अग्रवाल, व्यवस्थापक मोहनलाल शर्मा, धाम आचार्य रामरतन शर्मा, रतन वैष्णव, कालू

महात्माओं को विदाई दी गई। इस विशाल धार्मिक कार्यक्रम के समापन के अवसर पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत, विधायक रामस्वरूप लांबा, सरस डेयरी अजमेर अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, पंचायत समिति श्रीनगर की प्रधान कमलेश गुर्जर, भाजपा मंडल नसीराबाद अध्यक्ष संजय यादव, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मुकेश चौधरी, भवानीखेड़ा मंडल अध्यक्ष हीरासिंह रावत सहित कई गणमान्य नागरिक पहुंचे और उन्होंने मंदिर परिसर का सघन भ्रमण करके धार्मिक कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया एवं प्रतिमाओं के दर्शन करके आशीर्वाद लिया। इस मौके पर विधायक रामस्वरूप लांबा को जानकारी दी कि यह धाम अब तीर्थ के रूप में तब्दील हो चुका है।जिसके चलते श्रद्धालुओं की आवाजाही काफी बढ़ जाएगी।इस धार्मिक स्थल के महत्व और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रामपुरा से जसवंतपुरा होते हुए शर्मा, किशन शर्मा, सौरभ सेन, घनश्याम वैष्णव, ओमप्रकाश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, ओमप्रकाश चौहान, मंगल प्रजापति, सत्यनारायण सोनी, हर्षित सेन, रतन फौजी, छोटू प्रजापति, विश्राम जाट, गोपाल जाट, सुरेंद्र सिंह, हरलाल जाट, ताराचंद, हंसराज चौधरी, दयाल गुर्जर, कालू गुर्जर, राधेश्याम शर्मा, शिवराज ईतड, नोरत प्रजापति, देवेंद्र शर्मा, बाबूलाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, सूरज सिंह राठौड़, गिरधारी प्रजापत, हीरालाल प्रजापत मुंबई अखिल भारतीय प्रजापति समाज पुष्कर अध्यक्ष, ताराचंद प्रजापत प्रजापति समाज 87 गांव अध्यक्ष, हंसराज कंडारा संतोष बैंड सहित सरयुदास महाराज जयपुर, धन्नापीठाधीश्वर टोंक, सालीगराम दास गुलाबपुरा, महंत रामनाथ योगी हनुवंतिया, पूजानाथ योगी केकडी, राजुनाथ त्रिवेणी धाम, साध्वी अनुराग ज्योति पुष्कर, साध्वी वैराग्य ज्योति पुष्कर कई संत महात्मा एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राजस्थान सिख समाज ने जुगल किशोर बैद को सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षाविद्, उद्योगपति और समाजसेवी जुगलकिशोर बैद को राजस्थान सिख समाज ने उनकी औद्योगिक और सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया। राजस्थान सिख समाज के प्रधान सरदार अजय पाल सिंह और अल्प संख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन सरदार जसबीर सिंह ने संयुक्त रूप से बैद को दौशाला ओढ़ा कर सम्मानित किया। सरदार अजयपाल सिंह ने उनकी शिक्षा से लेकर औद्योगिक सफलता के विभिन्न आयामों का वर्णन करते कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति द्वारा भिन्न भिन्न मौकों पर जुगल किशोर 'उत्पाद उत्कृष्टता' हेतु सम्मानित हुए। विगत 40 सालों में बैद कई राष्ट्रीय - अंतराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजे गए हैं। विभिन्न विषयों पर कई किताबें लिखने वाले बैद ने जो यश और धन कमाया उसमे गरीब, असहाय परिवारों के बच्चों को भागीदार बनाया और उनकी सहायता को अपने जीवन का ध्येय बनाया। अल्प संख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि बैद ने धर्म, लिंग और जाति को ध्यान रखे बिना परोपकार की योजनाएं चलाई। गुरु नानक जी का संदेश- ''किरत करो'' श्रमयुक्त शुभ कार्य करो, 'नाम जपो' प्रभु की आराधना करो और 'वंड छको' बांट कर खाओ उनके आचरण में सार्थक होता हुआ दिखाई देता है। इस अवसर पर जे के बैद की बायोग्राफी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। इस मौके पर बैद की धर्मपत्नी मुकुलिका बैद को परमजीत कौर, डॉ मंजीत कौर और डॉ रोजी शाह ने दौशला ओढ़ा कर सम्मानित किया। उनके पुत्र विशाल बैद को सरदार अजयपाल सिंह ने सम्मानित किया। सम्मान-समारोह की यह विशेषता रही कि जयपुर के प्रतिष्ठित जैन परिवार की उपलब्धि और उनकी खुशियों में राजस्थान सिख समाज शरीक हुआ। इससे सर्वधर्म संभाव की थीम साकार हुई। इस अवसर पर केबीजीबी संस्था के प्रधान सरदार जसबीर सिंह और केशियर सरदार सुरेंद्र सिंह, सिख जागृति के मुख्य संपादक सरदार ओंकार सिंह और हरजीत पाल सिंह घूरा, सिख चिंतक डॉ मंजीत कौर भी उपस्थित रहे।

ओंकार सिंहः संपादक, सिख जाग्रति

विश्व पर्यावरण दिवस पर बाल नाट्य प्रस्तुति डेंजरस आकू और स्मार्ट मापी का मंचन

जयपुर

विश्व पर्यावरण दिवस पर रवींद्र मंच पर नाटकवाला अभिनयशाला में तैयार बाल नाट्य प्रस्तुति डेंजरस आकू एंड स्मार्ट मापी का शानदार मंचन हुआ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बाल रंगमंच प्रशिक्षक निर्देशक ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में आयोजित नाटकवाला अभिनयशाला 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन Children's Drama Production शिविर के अंतर्गत आज रवीन्द्र मंच, जयपुर के रिहर्सल हॉल में एक बाल नाट्य प्रस्तुति डेंजरस आकू और स्मार्ट मापी का सफल मंचन हुआ। यह प्रस्तुति कार्यशाला के मात्र 5 दिनों की रचनात्मक प्रक्रिया का परिणाम रही, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पना और सीख से एक प्रेरणादायक कहानी गढ़ी और मंच पर जीवंत की। नाटक एक खूंखार शेर आकू और एक चतुर चूहे मापी की दोस्ती के माध्यम से यह संदेश देता है कि प्रकृति में हर प्राणी की भूमिका अहम है और सहयोग से ही पर्यावरण संतुलन संभव है। इस बाल नाटक की कहानी जंगल के एक खतरनाक शेर आकू और एक चतुर, मस्तीखोर चूहे मापी की है। कहानी में शेर गहरी नींद में सो रहा होता है, तभी मापी नाम का चूहा उसके ऊपर उछल-कूद करता है। गुस्से में आकर शेर उसे पकड़ लेता है, लेकिन चूहे की विनती पर दया कर उसे छोड़ देता है। आगे एक दिन वही शेर शिकारी के जाल में फँस जाता है और मदद के लिए चिल्लाता है। तब वही छोटा चूहा आता है और अपने नुकीले दांतों से जाल काटकर शेर को बचा लेता है। यह प्रस्तुति न केवल साहस और चतुराई की सीख देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रकृति में कोई भी प्राणी छोटा नहीं होता, सबका योगदान अहम होता है। प्रस्तुति में बच्चों की मासूम अभिव्यक्तियाँ, आत्मविश्वास और मंच पर प्रस्तुति की सहजता ने दर्शकों को प्रभावित किया। बाल दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रस्तुति को सराहा। इस नाट्य प्रस्तुति में आकू शेर की भूमिका निभाई बाल कलाकार रोशन सैनी ने और मापी चूहे की भूमिका में थे मौलिक सैनी। दोनों बच्चों ने अपने भाव, संवाद और मंचीय उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जयपुर रंगमंच के वरिष्ठ निर्देशक एवं बाल रंगमंच प्रशिक्षक अभिषेक झाँकाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए अभिनय, आवाज़, मंच एक्टर वस्तुओ के उपयोग और मंचीय अनुशासन को लेकर उपयोगी सुझाव भी दिए। साथ ही रंगकर्मी विकास सैनी भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और बच्चों के आत्मविश्वास, अभिनय और प्रस्तुति को सराहनीय बताया। ओम प्रकाश सैनी, निदेशक – नाटकवाला अभिनयशाला एवं नाटकवाला कला मंच, आमेर ने बताया कि यह कार्यशाला बच्चों को आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता के साथ जोड़ने का माध्यम है। हमारी पहल 'घर-घर रंगमंच, हर दर रंगमंच' के तहत हम हर बच्चे को मंच देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। कार्यशाला की आगामी प्रस्तुतियाँ जून माह में विभिन्न सार्वजनिक मंचों पर प्रस्तावित हैं। इच्छुक अभिभावक बच्चों को इस मुहिम से जुड़ने के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं।

संपर्कः 7737843499

ओम प्रकाश सैनी, नाटकवाला कला मंच आमेर

वेद ज्ञान

दुखों का मूल केवल कर्मफल

मनुष्य दुख और सुख का अनुभव मन के माध्यम से करता है। मन का निर्माण भूतकाल की यादों और अनुभवों द्वारा होता है। अतीत की यादें कभी सुखद तो कभी आत्मग्लानि, अपराधबोध, हीनता, आक्रोश और कटुता जाग्रत करने वाली होती हैं। मनुष्य वर्तमान के मोह में असंतुष्टि, अज्ञान और अन्य कारणों के साथ अतीत की यादों द्वारा सबसे ज्यादा दुखी महसूस करता है। इन बुरी और हीन यादों का बोझ वह न चाहते हुए भी ढोता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संसार में अभी तक कोई ऐसी औषधि नहीं बनी, जिसके सेवन से इन यादों को मिटाया जा सके। पुरानी यादों के द्वारा अपराध बोध से ग्रसित होकर मनुष्य का स्वभाव नकारात्मक हो जाता है और इसकी अति होने पर मानसिक बीमारियां-जैसे अवसाद आदि से ग्रसित होकर स्थाई रूप से दुख अनुभव करने लगता है। पुरानी यादें मनुष्य के स्वयं के कर्मों की ही प्रतिक्रिया हैं और कर्मफल से संसार में कोई भी प्राणी यहां तक कि ईश्वर भी नहीं बच सके हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि हर जीव को कर्मफल भोगना ही पड़ता है। इस तथ्य की पुष्टि आज के समय में विज्ञान के तथ्यों द्वारा अमेरिका के एक मनोचिकित्सक ब्रायन ब्रास ने अपनी पुस्तक मैनी लाइफ मैनी मास्टर्स में की है। इससे स्पष्ट होता है कि दुखों का मूल केवल कर्मफल और अज्ञानता है। इससे बचने का उपाय भगवान ने गीता में बताया है कि मनुष्य को कर्म, अकर्म एवं विकर्म का भेद जानकर केवल वही कर्म करना चाहिए जो उसके स्वधर्म के अनुकूल हो और स्वधर्म के अनुसार किए कर्म का फल स्वतः भगवान को अर्पण हो जाता है। इस प्रकार कर्मफल से मुक्त होकर वह प्रतिक्रियास्वरूप सुख-दुख से भी मुक्त हो जाता है। विकर्म वह है, जो स्वधर्म एवं नैतिकता के विरुद्ध किया जाता है। इस कारण इसका कर्मफल मनुष्य को स्वयं भोगना पड़ता है। विकर्म के लिए उसे उसके मन और बुद्धि ही प्रेरित करते हैं। इसलिए संयम, सदाचार और महापुरुषों के आचरण का पालन करके मनुष्य विकर्म से बचकर दुखों से भी बच सकता है। आइए कर्मफल के सिद्धांत को समझकर विकर्म से बचकर सुख और आनंद की प्राप्ति करें। यही मर्म समझकर हम अपने जीवन को सही मायनों में सार्थक बना सकते हैं।

संपादकीय

न्यायपालिका के साख पर सवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। फिर भी जब इन संस्थाओं के भीतर से ही शुचिता लाने के संकल्प उभरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से बेहतरी की उम्मीद बनती है। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। निचली अदालतों पर तो ऐसे आरोप आम रहे हैं, पर ऊपरी अदालतों में भी पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को साफगोई से स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है, तो सकारात्मक नतीजों का भरोसा बना है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। यह बात उन्होंने दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही। प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए। इसे किसी भी रूप में नैतिक नहीं माना गया। हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है। लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। इसीलिए न्यायाधीशों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस तकाजे को जैसे भुला दिया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

प्लास्टिक से बनाएं दूरी

वह क्या है, जो जल में थल में, हम सब में एक ही समय में सभी जगह विद्यमान है? कदाचित हममें से अधिकांश पहले इसका उत्तर देते दैवीय शक्ति। परंतु आज इसका उत्तर है प्लास्टिक ! प्लास्टिक के नैनो कण समुद्रों की अधिकतम गहराई तक, नदियों में, आकाश में 9,500 फीट की ऊंचाई तक भूमि में, यहां तक कि हमारे नमक, शरीर, मां के दूध, शुक्राणु, किडनी, फेफड़ों, दिमाग तक में पाए जाने लगे हैं। विभिन्न आकार-प्रकार में प्लास्टिक अब सब तरफ ऐसे है कि इसकी ओर ध्यान ही नहीं जाता। सन् 1972 में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए स्वीडन से 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस आयोजित करने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय है- ''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत।'' हमारे जीवन के अनेक पहलुओं में प्लास्टिक जरूरी है और उसका कोई विकल्प भी अभी नहीं है। मगर इसके कारण ''डिस्पोजेबल कंज्यूमर कल्चर'' पैदा हुआ। महज एक बार इस्तेमाल योग्य प्लास्टिक के कारण थ्रो अवे पीढ़ी का जन्म हुआ। इससे सबका नुकसान हो रहा है। असहाय पशु-पक्षी भी मनुष्य की गतिविधियों का परिणाम ग्राम भुगत रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा बताया गया था कि विश्व भर में एक मिनट के भीतर 10 लाख प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग होता है। यानी एक दिन में 144 करोड़ है न भयावह? हम पृथ्वी पर प्लास्टिक कचरे की कैसी विरासत छोड़ रहे हैं? शहरों में जल जमाव की समस्या का मुख्य कारण ये प्लास्टिक कचरे ही हैं। आंकड़ों से वास्तविकता अधिक स्पष्ट होकर सामने आती है। वैश्विक प्लास्टिक कचरे में भारत का योगदान 18 प्रतिशत है। हमारे यहां हर दिन करीब 26,000 मीट्रिक टन और देश के 60 मुख्य शहरों में 4,000 से अधिक मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरे का सृजन होता है। इनमें से ज्यादातर कचरा खुली जगहों और गड्ढों में पड़ा रहता है। गौर कीजिए, 99 प्रतिशत प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन से तैयार होता है, जो जैविक रूप से कभी नष्ट नहीं होता, यानी प्लास्टिक अमर है। लोगों में यह भ्रांति है कि समस्त प्लास्टिक और अन्य कचरों का पुनः उपयोग हो जाता है। लेकिन पर्यावरण के मुद्दे पर काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन सीएसई का कहना है, देश में मात्र 12 प्रतिशत प्लास्टिक का ही पुनः उपयोग हो रहा है और 20 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा जलाया जा रहा है। इस दहन से घातक गैस पैदा होती है, जिससे अनेक जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं। वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों में इजाफा हो रहा है और इस सब के फलस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इस कुचक्र का कोई अंत है? आखिर इस अजर-अमर दिखते दानव का वध कैसे संभव है? पर्यावरण सुरक्षा दिवस मनाने से कुछ जागरूकता बढ़ी है, लेकिन वास्तविक उपाय निकालने में पता नहीं कितने दशक लग जाएं? आवश्यकता इस बात की है कि सब लोग समाधान का हिस्सा बनें। देश में प्लास्टिक के 30,000 से अधिक उत्पादक उद्यम हैं। इन पर भी इसके विकल्पों के उपयोग करने और प्लास्टिक को एकत्र कर उसे साइकिल करने का दायित्व होना चाहिए। वैसे, जिम्मेदारी तो उद्योग, समाज, नागरिक सभी की है।

अनिता भटनागर जैन,
(पूर्व आईएएस अधिकारी)

दिगंबर जैन महासमिति द्वारा वृक्षारोपण एवं परिंडे लगाओ कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल के द्वारा आज एक भव्य कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया गया तथा पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों और समाज के गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। राजस्थान महिलांचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि यह कार्यक्रम इमली वाला फाटक के पास गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या, महासमिति के धार्मिक प्रकोष्ठ चेयरमैन भागचंद जैन एवं उनकी धर्मपत्नी प्रज्ञा जैन अनोखी पत्रिका एवं महासमिति के कार्याध्यक्ष मनीष रचना बैद , शाबाश इंडिया' के संपादक राकेश गोदिका, यश कमल अजमेरा, सम्यक ग्रुप के संरक्षक महावीर बिंदायका, प्रमोद - सोनल जैन ने कपसोनी, मीनाक्षी कासलीवाल, राज चौधरी, जनक पुरी के पार्षद नरेश शर्मा गोकुल मिश्र, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन अध्यक्ष सुनील बज , पूर्व अध्यक्ष राजेश बड़जात्या सन्मति ग्रुप के उपाध्यक्ष राकेश संघी, सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष इंद्र कुमार जैन, सचिव नवल जैन सहित कई समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। अंचल कोषाध्यक्ष उर्मिला के अनुसार सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा लगभग 30 पौधे लगाकर यह संकल्प लिया ''पेड़ बचाओ, पेड़ लगाओ''। लगभग 30 परिंडे लगाकर शीला, मधु, अंजना, बीना, अनीता, सुलोचना राज चौधरी, किरण जैन, मीनाक्षी कल्याण नगर इकाई ने जीव दया का संदेश दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता पर बल दिया और समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य न सिर्फ हरियाली को बढ़ावा देना था, बल्कि समाज में पर्यावरण जागरूकता को भी प्रोत्साहित करना रहा।

फ्लाइंग मशीन का जोधपुर में पहला एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर लॉन्च

भारत का ओरिजिनल डेनिम ब्रांड लाया जोधपुर में ''डैम हॉट'' स्टाइल, नई एनर्जी और जेन Z के लिए दमदार फैशन

जोधपुर. शाबाश इंडिया

भारत के मशहूर डेनिम ब्रांड, फ्लाइंग मशीन ने जोधपुर में अपना पहला एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट शुरू कर दिया है। यह स्टोर प्लॉट नंबर 658-जी3, जलजोग सर्किल, मेन सरदारपुरा, सी रोड पर स्थित है और करीब 1300 वर्ग फुट में फैला है। नए जमाने के फैशन को ध्यान में रखकर इस स्टोर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है, जो बोल्ड, एक्सप्रेसिव और अनोखा स्टाइल पसंद करने वाले युवा ग्राहकों को खूब लुभाएगा। राजस्थान में 45 से अधिक पॉइंट्स ऑफ सेल के साथ, फ्लाइंग मशीन ने पहले ही यहां अपनी मजबूत पहचान बना ली है। लेकिन जोधपुर का यह स्टोर एक बड़ी योजना की शुरूआत है; यह टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा संस्कृति, बदलते फैशन और ट्रेंडी स्टाइल के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। अमिताभ सूरी, सीईओ, फ्लाइंग मशीन और यू.एस. पोलो एसोसिएशन, ने कहा, ''फ्लाइंग मशीन का नाम स्टाइल, युवा और नए प्रयोगों के साथ जुड़ा हुआ है। हमारा जोधपुर स्टोर भारत में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरूआत है। यह कलेक्शन खासकर जेन` के लिए बनाया गया है। यानि, यह कलेक्शन उन युवा और एक्टिव ग्राहकों के लिए है, जो अपने विचारों को खुलकर व्यक्त करते हैं, स्मार्ट हैं और स्टाइल के प्रति सजग हैं। फ्लाइंग मशीन का दिल तो हमेशा से डेनिम ही रहा है, लेकिन इसके डिजाइन्स पूरी तरह से नए फैशन ट्रेंड्स पर आधारित हैं। हमें खुशी है कि हम अपने नए कलेक्शन को इस ऊजार्वान शहर में ला रहे हैं।'' जोधपुर का नया स्टोर सिर्फ एक आउटलेट ही नहीं, बल्कि एक खास माहौल भी पेश करता है, जो डिजिटल-प्रेमी और सोशल मीडिया के समझदार ग्राहकों के लिए बनाया गया है। ब्रांड का खास टैगलाइन 'डैम हॉट' इस नए स्टोर के हर हिस्से और कलेक्शन में झलकता है। इस स्टोर में आपको प्रीमियम ब्लेंड टीशर्ट्स, स्लोगन वाली ग्राफिक टी-शर्ट्स, अंधेरे में चमकने वाले डिजाइन्स और खास फैशन वाले एक से बढ़कर एक डेनिम कलेक्शन मिलेंगे, जो आपके अगले #फिटचेक के लिए परफेक्ट हैं। स्टोर में लॉन्च किया गया स्प्रिंग-समर 2025 कलेक्शन खासतौर पर राजस्थान के मौसम और लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह कलेक्शन रोजाना पहनने लायक और स्ट्रीट स्टाइल का कॉन्फिडेंस दोनों को मिलाकर एक नया स्टाइल अपग्रेड देता है। कॉलेज के छात्र हों या युवा प्रोफेशनल्स, यह स्टोर जोधपुर के फैशन के प्रति जागरूक उन युवाओं का सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन बनने के लिए तैयार है, जो अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं फ्लाइंग मशीन का यह स्टोर उसके बदलते रिटेल विजन का एक दमदार उदाहरण है, जहाँ शानदार अनुभव, इनोवेशन और यूथ कल्चर एक ही छत के नीचे मिलते हैं। इसका इंटीरियर न सिर्फ स्टाइलिश है, बल्कि पूरी तरह से ट्रेंड-केंद्रित और ब्रांड की पहचान को दर्शाता है। इस प्रकार, यह तो तय है कि यहाँ आकर ग्राहक सिर्फ खरीदारी ही नहीं करेंगे, बल्कि ब्रांड से एक निजी और असली जुड़ाव भी महसूस करेंगे। जोधपुर में अपनी शुरूआत के जश्न के रूप में, फ्लाइंग मशीन एक शानदार ऑफर दे रहा है। इस ऑफर के तहत आप अपनी पुरानी जींस ला सकते हैं और बदले में नई फ्लाइंग मशीन डेनिम पर 1000 रुपए की छूट पा सकते हैं। इस ऑफर को शहर भर में होर्डिंग्स और डिजिटल कैंपेन के जरिए प्रमोट किया जा रहा है, ताकि ब्रांड की एंट्री उतनी ही शानदार नजर आए, जितना कि इसका स्टाइल।

विमर्श जागृति महिला मंच ने निर्धन महिला को वर्ष भर का राशन दिया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। विमर्श जागृति महिला मंच की सदस्यायों ने एक निर्धन महिला को जीवन यापन में परेशानी को देखते हुए साल भर का राशन प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष वैशाली बाँझल ने जानकारी देते हुये बताया कि समय-समय पर संस्था धार्मिक कार्यो के साथ-साथ सामाजिक कार्यो भी में अपना योगदान देती रहती है। जैसे जरूरतमंद स्कूली बच्चों के लिए स्कूल बैग ,दया भावना फाउंडेशन में बीमार गायों की अस्पताल मैं दान राशि देना,निर्धनों को भोजन वितरण,वृद्ध आश्रम में कपड़े बिस्किट वगैरा भोजन सामग्री आदि वितरित करना। श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी के आशीर्वाद से सन 2011 से स्थापित विमर्श जागृति मंच निरन्तर धर्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करती रहती है। साधु-संतों की आहार-विहार में सेवा के साथ-साथ स्वास्थ्य शिविर आयोजन कर जन सामान्य को लाभान्वित करती है।

सुभाष जैन ''कैंची बीड़ी''
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

विजय कुमार जैन भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक मनोनीत

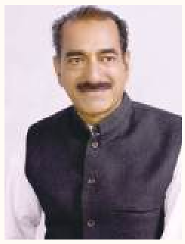

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। समाजसेवी भारतीय जैन मिलन आंदोलन से लंबे समय से जुड़े विजय कुमार जैन को भारतीय जैन मिलन का राष्ट्रीय संरक्षक मनोनीत किया गया है उनके राष्ट्रीय संरक्षक बनने पर बधाइयां दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन ऋतुराज मेरठ, राष्ट्रीय महामंत्री प्रशासन अजय कुमार जैन सहारनपुर, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महेंद्र कुमार जैन एडवोकेट ग्वालियर द्वारा भारतीय जैन मिलन की वर्ष 2025 26 की घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विजय कुमार जैन राघौगढ़ को राष्ट्रीय संरक्षक, शीतल चंद कठारी राघौगढ को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, प्रदीप कुमार जैन ठेकेदार राघौगढ़ को राष्ट्रीय संयोजक राजनीतिक चेतना मंच, अशोक कुमार भारिल्य को वरिष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, विकास कुमार जैन को राष्ट्रीय संयोजक युवा जैन मिलन मनोनीत किया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सुभाष चंद्र जैन चौधरी, राजेश कुमार जैन ठेकेदार, दिलीप कुमार जैन को मनोनीत किया गया है। जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन, युवा जैन मिलन राघौगढ के अध्यक्ष आकाश जैन, महिला जैन मिलन राघौगढ़ की अध्यक्ष अंतिम जैन, जैन मिलन के वरिष्ठ सदस्य संजय कुमार जैन एडवोकेट मुकेश श्रीमाल कोषाध्यक्ष रुपेश चौधरी, राजेन्द्र कुमार जैन, संजीव जैन पूर्व पार्षद, युवा जैन मिलन के मंत्री मनीष जैन, क्षेत्रीय संयोजक रवीन्द्र जैन शिक्षक, महिला जैन मिलन की मंत्री सुषमा जैन, उपाध्यक्ष सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष कुशल जैन आदि ने बधाईयां दी हैं।

“वसुधा मेरी माँ” कार्यक्रम के माध्यम से जयपुर में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन द्वारा ''वसुधा मेरी मां'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन, वन्यजीव सुरक्षा एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत विकास को लेकर गंभीर चर्चा एवं संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्नोई समाज के धर्मगुरु श्री जंभेश्वर भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। फाउंडेशन के चेयरमैन श्री मेघराज सिंह रॉयल ने बताया कि रेगिस्तानी राजस्थान को हरा-भरा बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने यह भी साझा किया कि उनके ''धुन प्रोजेक्ट'' को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ब्रिटेन के किंग चार्ल्स फाउंडेशन एवं कतर देश की राजकुमारी के फाउंडेशन द्वारा सहयोग हेतु चयनित किया गया है। फाउंडेशन के डायरेक्टर श्री शक्ति सिंह बांदीकुई ने अपने वक्तव्य में कहा कि अब समय आ गया है जब हम प्रकृति को लौटाने का प्रयास करें। उन्होंने पूर्वजों द्वारा संरक्षित ओरण, गौचर, तालाब, बावड़ी, कुंड जैसी पारंपरिक जल-संरचना प्रणालियों का स्मरण किया। एवम आगामी अगस्त माह में एक ही दिन में 21,000 पौधों का पौधारोपण किया जायेगा। कार्यक्रम में भारतीय मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने प्लास्टिक और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। पद्मश्री सुंडाराम वर्मा ने कम जल-उपयोग में पौधारोपण की तकनीक का व्यावहारिक विवरण देते हुए बताया कि मात्र 1 लीटर पानी से लगाया गया पौधा पूरे जीवनकाल में अतिरिक्त जल की आवश्यकता नहीं रखता, जिससे हजारों लीटर जल की बचत संभव है। जल संरक्षण विशेषज्ञ पद्मश्री लक्ष्मण सिंह लापोड़िया ने चौका पद्धति से मृत जलस्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और क्षेत्रीय जलस्तर को ऊपर उठाने की जानकारी साझा की। जयपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र विश्नोई ने कहा कि गुरु जंभेश्वर भगवान ने सदियों पहले जो पर्यावरणीय सिद्धांत दिए, वे आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उन्होंने वर्तमान जीवनशैली में बदलाव और अंधाधुंध औद्योगीकरण पर विराम लगाने का आह्वान किया। फाउंडेशन के डायरेक्टर एवं शौर्य चक्र विजेता ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि संस्था ने पिछले एक वर्ष में चार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता जरूरतमंदों को प्रदान की है और प्रकृति सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण में विशेष योगदान के लिए सुशील अग्रवाल एवं सुरेंद्र अवाना को ''पर्यावरण रत्न - 2025'' सम्मान से नवाजा गया। अंत में पर्यावरण व जीवरक्षा करते हुए बलिदान देने वाले राधेश्याम पैमानी, श्याम बिश्नोई, कंवराज सिंह भाटी, वनरक्षक सुरेन्द्र चौधरी को पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में फाउंडेशन के सलाहकार श्री के. के. बोहरा, रिटायर्ड आर पी एस हेतराम बिश्नोई, तुलसीराम मांजू, यामीन मंसूरी, डॉ रामकेश परमार, पुलिस उप अधीक्षक धर्म सिंह, डॉ रूपक सिंह, डॉ भावन चौधरी, प्रख्यात गायक कलाकार कविता जैन, महिला क्रिकेटर मंजू गोदारा, यूनिसेफ प्रतिनिधि राखी कुमारी, रिटायर्ड आर ए एस शक्ति सिंह सिसोदिया, नर्सिंग एसोशिएसन के हरि सिंह भाटी, अजय बघेल, कैप्टन लियाकत खान, पार्षद गिर्राज सैनी, धरती अमृत संस्था के ओंकार सिंह, आंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी के जी एल वर्मा, योगेंद्र सिंह, संजय सिंह खानपुर, विश्नोई समाज के प्रतिनिधिगण समेत बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर द्वारा धार्मिक यात्रा 12 जुलाई से 19 जुलाई तक

अमरचंद दीवान बने मुख्य संयोजक

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में आगामी 12 जुलाई से 19 जुलाई तक जयपुर-सोनागिर जी-खजुराहो-जबलपुर-मुक्तागिरी-जयपुर की धार्मिक एसी बस यात्रा का आयोजन किया जाना तय किया गया। इस धार्मिक बस यात्रा के लिए मुख्य संयोजक अमर चंद दीवान खोराबीसल को बनाया गया हैं। संयोजक सुरेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा , मनीष लुहाड़िया , जिनेन्द्र जैन को बनाया गया है।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

बरनावा. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम तीर्थ तक अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज अतिशय क्षेत्र बरनावा की पावन धरा पर दो बड़े आचार्य आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज का हुआ भव्य मिलन। मिलन समारोह में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि मकान तो चार दीवारों से बन जाते हैं लेकिन,घर बनाने और बसाने के लिए सब्र, समझ , प्रेम, और बड़े बुजुर्गो का सम्मान बहुत जरूरी है..! किसी बुजुर्ग से पूछा- दादा जी कैसी कट रही है ज़िन्दगी- ? बुजुर्ग दादा जी ने बहुत सदे हुए लफ़्जों में और रून्धे हुई आवाज में कहा - बेटा जहां से शुरू किया था सफर वहीं पे पहुंच गए, बेटियों को दामाद ले गये और बेटों को बहू ले गई। सच है मित्रो ! आज की भाग दौड़ की ज़िन्दगी में कौन करता है बुजूर्गो की परवरिश- ? कौन रखता है ध्यान- ? कौन करता है उनकी सेवा- ? हमारे घर, परिवार और समाज में, बुजूर्ग अपनों के बीच में भी अकेले हो रहे हैं। अपनों के साथ अकेलापन महसूस कर रहे हैं। कहीं कहीं तो उन्हें जान बूझकर अकेला छोड़ दिया जाता है या उम्र के ढलान पर उन्हें वृद्ध आश्रम में छोड़ दिया जाता है। कहना गलत नहीं होगा आज देश के सर्वेक्षण में 40% बुजूर्गो का कहना है कि 44% प्रतिशत बेटे, 28% बहु और 14% से ज्यादा बेटीयों द्वारा बड़े बुजुर्गो के साथ दुर्व्यवहार अशिष्ट वचन करने और कहने की बात सामने आ रही है।

हर रात 8 घंटे सोने के बावजूद थकान क्यों रहती है?

जानिए 3 गहरी वजहें और आसान समाधान!

क्या आप भी हर रात 8 घंटे की नींद लेने के बावजूद सुबह थकान और भारीपन महसूस करते हैं? कॉफी कुछ खास असर नहीं करती, और झपकी थोड़ी राहत देती है लेकिन उसके बाद आप और भी थके हुए महसूस करते हैं? अगर हाँ, तो आपके शरीर में कुछ अंदरूनी असंतुलन हो सकता है, जो आपकी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। आइए जानते हैं तीन मुख्य कारण और उनके आसान समाधान जो आपकी नींद और ऊर्जा को पूरी तरह बदल सकते हैं: **समस्या 1:** इलेक्ट्रोलाइट की कमी यह सबसे अनदेखा कारण है — आपके शरीर में मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी। ये खनिज शरीर को गहरी नींद और पुनःउत्थान (recovery) के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इनकी कमी से आपकी नींद अस्त व्यस्त हो जाती है, आप बार-बार जागते हैं, और नींद पूरी नहीं होती। फिर आप जरूरत से ज्यादा सोते हैं, लेकिन फिर भी थकान बनी रहती है। **समस्या 2:** मुंह से सांस लेना (Mouth Breathing) अगर आप रात में खर्राटे लेते हैं या मुंह खोलकर सोते हैं, तो: आपका मस्तिष्क ऑक्सीजन से वंचित रह जाता है, गहरी नींद प्रभावित होती है सुबह सिर भारी और मन धुंधला महसूस होता है। मुंह बंद = शांत, ऑक्सीजन-युक्त नींद मुंह खुला = तनाव, सूजन, थकावट, समस्या 3: कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) असंतुलन, अगर आप... रात में बहुत सोचते हैं 3 बजे अचानक जागते हैं, दिन में थके होते हैं लेकिन नींद नहीं आती, तो यह संकेत है कि आपके शरीर का कोर्टिसोल स्तर बिगड़ा हुआ है। जब कोर्टिसोल ज्यादा होता है, तो मेलाटोनिन (नींद हार्मोन) दब जाता है, और नींद की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। **समाधान 1:** शरीर में खनिज पुनः भरें (Restore Minerals)इनका होना शरीर को गहरी नींद और पुनःउत्थान के लिए आवश्यक है, मैग्नीशियमः नसों और मांसपेशियों को शांत करता है पोटैशियमः गहरी नींद में सहायक है। रात को सोने से पहले यह लें: नारियल पानी, मैग्नीशियम ग्लाइसीनेट, ग्लाइसीन यह कॉम्बिनेशन आपकी नींद की गहराई को पूरी तरह बदल सकता है। समाधान 2: कोर्टिसोल को शांत करें (Bedtime Wind Down) आपका दिमाग ऑन/ऑफ स्विच नहीं है, वो डायल की तरह है। नींद से 30 मिनट पहले ये करें: एक गर्म पानी से स्नान, धीमी रोशनी में रहना, फिक्शन किताब पढ़ना (ना टीवी, ना नॉन-फिक्शन), यह सब करना कोर्टिसोल को कम करता है और नींद जल्दी व गहराई से लाने में मदद करता है। समाधान 3: रात को मुंह टेप करें (Tape Your Mouth) अजीब लगता है, लेकिन बेहद बहुत असरदार है। mouth tape धीरे-धीरे आपको नाक से सांस लेने की आदत सिखाता है। सिर्फ 1–2 हफ्ते में आप सुबह तरोताजा महसूस करने लगते हैं। निष्कर्षः हर रात 8 घंटे सोना काफी नहीं, असली सवाल है – आपकी नींद की गुणवत्ता कैसी है? नीचे दिए गए इन तीन बदलावों से आप अपनी नींद की गुणवत्ता और सुबह की ऊर्जा में चमत्कारी सुधार देख सकते हैं: इलेक्ट्रोलाइट सपोर्ट पर फ़ोकस करें, कोर्टिसोल शांत करना आवश्यक है, नाक से श्वास की लेने की आदत बनायें । पैरो के तलवों पर रोलर मसाज करें। अगर आपको ये लेख उपयोगी लगा, तो कृपया इसे शेयर करें ताकि और लोग भी बेहतर नींद और ऊर्जा का अनुभव कर सके। **-डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी राज. आयुर्वेद औषधालय शासन सचिवालय जयपुर।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

फेडरेशन व रीजन के निर्देशानुसार दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 2025 को संत भवन ,जैन मंदिर कीर्तिनगर जयपुर में विराजमान परम्पूज्य गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी, अनन्तमती माताजी व महोत्सव मती माताजी से बैनर विमोचन व वृक्षारोपण कार्य का प्रतीकात्मक शुभारंभ हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। माताजीश्री को सर्व प्रथम श्रीफल चढ़ाये। अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने माताजी श्री को फेडरेशन के 10000 नये वृक्ष लगाने एवम पर्यावरण संरक्षण की अन्य गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र मदुर्लां पांड्या, राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील सुमन बज की गौरवमय उपस्थित रही। कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, सचिव महावीर पांड्या, संगठन सचिव अशोक कुसुम छाबडा, महावीर चाँदवाड, नरेन्द्र कासलीवाल की गौरवमय उपस्थित रही। माताजीश्री ने हर वनस्पति को किसी न किसी रूप में औषधि में प्रयोग होना बताया। पर्यावरण को संतुलित करने के लिये वृक्षारोपण बहुत जरूरी है। पेड़ पौधों से ऑक्सीजन मिलती है। प्रकृति में संतुलन बनाये रखने व वातावरण को स्वच्छ रखने के लिये वृक्षारोपण अति आवश्यक है ग्रुप ने आंवला, बील, शहतूत, गुलमोहर, बहेड़ा के पौधों का आदर्श ब्लॉक के उद्यान में वृक्षारोपण किया। अंत मे अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

चंदन नगर भोपाल में हुआ गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

भोपाल. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज एवं प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में नारियल खेड़ा भोपाल में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव निर्विघ्न संपन्न हुआ। प्रभु के मोक्ष कल्याणक का भक्तों ने भरपूर आनंद लिया। सायंकाल पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज से अश्रुपूर्ण विदाई लेकर माताजी ससंघ ने नारियल खेड़ा से विहार किया। चंदन नगर भोपाल में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की चंदन नगर में एक विशेष धर्मसभा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।धर्मसभा में माताजी ने शांत, सरल और प्रभावी वाणी में मंगल प्रवचन दिए, जिसमें उन्होंने संयम, अहिंसा और आत्मकल्याण का महत्व बताया। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की इस मौके पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी, जिसने कार्यक्रम को अत्यंत सफल और ऐतिहासिक बना दिया।

जेएसजी कैपिटल संगिनी फोरम ने 11वें स्थापना दिवस पर किया भव्य भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी कैपिटल फोरम द्वारा अपने 11वे स्थापना दिवस पर मंडल पर भव्य 48 दीपो से भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन किया गया। संगिनी फोरम संस्थापक विनीता जैन एवं अध्यक्ष अलका जैन ने बताया कि संगिनी कैपिटल फोरम ग का 11 वां स्थापना दिवस दिन भर 11 कार्य कर मनाया गया। पूर्व अध्यक्ष समता गोदिका एवं हेमा सौगाणी ने बताया कि स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर प्रसिद्ध गायक नरेंद्र जैन की मधुर स्वर लहरियों के साथ भव्य भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन श्री चन्दप्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुगार्पुरा में किया गया। पूर्व अध्यक्ष मीना चौधरी एवं शकुंतला पांड्या ने बताया कि गायक कलाकार नरेंद्र जैन द्वारा भक्तिगीतों से म्यूजिकल भक्तामर पाठ कराया गया, जिसमें समता गोदिका व मीना चौधरी ने भी अपनी मधुर आवाज में सहयोग किया। सचिव सुनीता पटौदी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत प्रसिद्ध समाज सेवी गरिमा -अशोक कासलीवाल ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम में जेएसजी रीजन संस्थापक राकेश जैन, रीजन अध्यक्ष राजीव पाटनी, उपाध्यक्ष सुधीर गंगवाल, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, कैपिटल संस्थापक अध्यक्ष सुभाष पांड्या , शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका, दर्शन बाकलीवाल, विनोद सोगानी, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड मंत्री राजेंद्र काला के साथ संपूर्ण कार्यकारिणी, महिला मंडल की संरक्षक चंदा सेठी, मंत्री रानी सोगानी के साथ साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा कैपिटल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्यगण उपस्थित रह कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम संयोजक हेमा सोगानी व सुनीता काला ने बताया कि इस शुभ अवसर पर ग्रुप की ओर से संगिनी की सभी 118 सदस्याओं को उपहार स्वरूप साडी भेट की गई। साथ ही उपस्थित 11 सदस्यों को लक्की ड्रॉ से पुरस्कृत किया गया । संगिनी सदस्य रेखा लुहाड़िया के सहयोग से मंदिर जी में एक पोडियम भी भेट किया गया तथा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सहयोग से दुर्गापुरा, महावीर नगर, लाल कोठी जैन मंदिर में 50- 50 भक्तामर की किताबें भी भेट की गई। अंत में सचिव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग में पौधारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पर्यावरण दिवस पर वातावरण संरक्षण हेतु बजरंग वाटिका,उषा कॉलोनी,मालवीय नगर में वृहद पौधारोपण किया गया ।दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पांड्या, शिरोमणि संरक्षक व निवर्तमान अध्यक्ष राजस्थान अंचल उत्तम कुमार पांड्या, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ विनोद साह,राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, 3 सेक्ट दिगम्बर जैन मंदिर, मालवीय नगर के महामंत्री मनोज जैन,महिला प्रकोष्ठ मंत्री प्रीति बाकलीवाल ,उषा कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार माथुर, महासचिव विनोद कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार जी माथुर के अलावा महासमिति के अन्य सदस्य, कॉलोनी के निवासियों ने गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंत्री विजय कासलीवाल ने बताया कि बारिश से मौसम खराब होने के बावजूद सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बड़े उत्साह से पौधारोपण में सहभागिता निभाई। अंत मे कोषाध्यक्ष अरूण जी काला द्वारा सभी अतिथियों,उपस्थित सदस्यों, विकास समिति का आभार व्यक्त किया गया -कार्यक्रम समाप्ति पर उषाकोलोनी विकास समिति द्वारा अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नरेंद्र मोदी विचार मंच द्वारा वृक्षारोपण

अजमेर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस पर नरेंद्र मोदी विचार मंच, जैन मिलन आदिनाथ व दिगम्बर जैन महिला महासमिति के संयुक्त तत्वाधान में 11 पौधे छतरी मन्दिर व लायंस क्लब के पास प्रांगण में लगाए गए जिनमें प्रमुख जामुन, कचनेर व अन्य पौधे लगाए गए। इस मौके पर नरेंद्र मोदी विचार मंच से लिलियन ग्रेस (प्रदेश अध्यक्ष), रूपश्री जैन (प्रदेश महामंत्री), सुनीता जैन (प्रदेश उपाध्यक्ष), मंजु शर्मा (प्रदेश उपाध्यक्ष), ऋचा जैन (कोषाध्यक्ष), सुनील सेठी, शर्मा जी, प्रकाश पाटनी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति), राजेंद्र पाटनी, अजय दोशी, प्रकाश गंगवाल, महेंद्र जैन, सुनील गंगवाल, सुनील छाजेड, बृह्मचारी महावीर भैया, कुसुम जैन, मीना दोशी, रिंकू जैन, आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण की रक्षा सभी की साझा जिम्मेदारीः सुनीता मंत्री

प्लास्टिक प्रदूषण को हराना है। थीम पर हुए नवाचार और जागरूकता गतिविधियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज प्रालि ने अपने नए कार्यालय भवन का गुरुवार को यहां अजमेर रोड स्थित हीरा नगर ए में विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराना है रखी गई, जिसके अनुरूप अनेक नवाचारी और जागरूकता आधारित गतिविधियां आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह की शुरूआत प्रातः पूजा और हवन से हुई, जिसके बाद वृक्षारोपण कर हरित पर्यावरण की शपथ ली गई। इस अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज की महाप्रबंधक सुनीता मंत्री, मैनेजिंग पार्टनर मुकेश यादव, सीओओ डॉ. अमूलदास मोहन राज, किरीट आचार्य, निरंजन कुमार गुप्ता आदि ने पेपरलैस वर्क, पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश का सभी उपस्थित जनों से आह्वान किया। वहीं संस्थान की महाप्रबंधक सुनीता मंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। हमें व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। चाहे कारण कोई भी हो, पर्यावरण संबंधी समस्याएं सभी को समान रूप से प्रभावित कर रही हैं, इसलिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभानी होगी। समारोह में पर्यावरणीय संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और सतत विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सत्र में पर्यावरणीय चुनौतियों और समाधानों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। साथ ही कंपनी की भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने के उद्देश्य से प्लास्टिक प्रदूषण पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण से जुड़े सवालों के माध्यम से प्रतिभागियों की जागरूकता को परखा गया। इस दौरान कंपनी के बोर्ड सदस्य, पर्यावरण विशेषज्ञ व आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज संस्थान की एमडी सुनीता मंत्री ने संदेश दिया कि जब तक समाज प्लास्टिक के विकल्पों की ओर नहीं बढ़ेगा, तब तक पर्यावरण को सुरक्षित नहीं किया जा सकता। इसी सोच को आत्मसात करते हुए एनके एनवायरो सर्विसेज ने अपने नए सफर की शुरूआत की है। वहीं सुनीता मंत्री ने कंपनी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं पर्यावरण प्रेमियों को पर्यावरण संरक्षण की हर हाल में पालना करने की शपथ दिलाई।

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ का बिजोलिया से जहाजपुर के लिए मंगल विहार

मंगल विहार में जैन समुदाय का सैलाब उमड़ पड़ा, देश भर से आए श्रद्धालुओं ने विहार में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त किया। संसार का प्रत्येक प्राणी शांति प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील हैः आचार्य वर्धमान सागर जी

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के शिष्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिसकी पुण्य की जड़ मजबूत है उसका भगवान भी बुरा करने में सक्षम नहीं है तुम उसका बुरा सोचोगे हो सकता है उसका कुछ ना बिगड़े और तुम्हारा ही बुरा हो जाए। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने कहा कि भक्त वह होता है जो समर्पित होता है जिसका सर्वस्व प्रभु के चरणों में न्योछावर हो जाता है जो स्वयं को भूल जाता है जिसे प्रभु के चरणों में अनुराग होता है। उन्होंने कहा कि भगवान न किसी से प्रसन्न होते हैं और न किसी से रुष्ट होते है। जो भी उनके चरणों में आता है, भक्ति रूपी नोका पर आसीन होता है। वह स्वयं संसार सागर से पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि संसार का प्रत्येक प्राणी शांति प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील है। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा एवं राकेश संधी ने बताया कि आचार्य श्री का मंगल विहार 5 जून को सुबह बिजोलिया से जहाजपुर के लिए हो गया है। आचार्य श्री संघ सहित 36 पिच्छिका के साथ बिजोलिया पार्श्वनाथ से चंवलेश्वर पार्श्वनाथ होते हुए जहाजपुर आयेंगे। उनके मंगल विहार की व्यवस्थाओं में देश भर के श्रद्धालु गण जुटे हुए हैं।

प्रेषक - विमल पाटनी निवाई

श्री नेमि गिरनार धर्म पदयात्रा का इंदौर महानगर में हुआ भव्य स्वागत

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर । हजारों की संख्या में तिरंगे और जैन ध्वज को लेकर चला समंग्र जैन समाज धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आज 5 जून को इंदौर में नया इतिहास रच गया जब विश्व जैन संगठन द्वारा दिल्ली से प्रारंभ श्री नेमीनाथ भगवान के मोक्ष स्थली गिरनार को निकली 101 दिवसीय 2200 किलोमीटर की धर्म पद यात्रा का मां अहिल्या की नगरी इंदौर में सकल जैन समाज ने भव्य स्वागत करते हुए शोभायात्रा में समग्र जैन समाज ने सिरकत कर अपने जीवन को धन्य किया। मंयक जैन ने बताया कि जिसका सकल जैन समाज विभिन्न संगठनों द्वारा और अन्य बहुत से समाज द्वारा 25 से अधिक मंचों से स्वागत किया गया। यह पद यात्रा रीगल चौराहे से प्रारंभ हुई जिसका समापन मोदी जी जैन नसिया पर हुआ। यह पद यात्रा समन्वय सौहार्द अहिंसा और समाज को जोड़ने के उद्देश्य से निकली जा रही है। ऐसा पहली बार हुआ जब किसी पद यात्रा में 1008 फीट का तिरंगा और 1008 फिट का जैन ध्वज लेकर निकली है। धर्म पद यात्रा की आगवानी इंदौर नगर के जन प्रिय सांसद शंकर लालवानी द्वारा की गई और पूरी यात्रा में साथ रहे। धर्म पद यात्रा में आचार्य श्री विभव सागरजी, आचार्य विप्रणत सागरजी, आचार्य विभक्त सागरजी,मुनि श्री निष्पक्ष सागरजी, मुनि श्री प्रणुत सागरजी , मुनि श्री निस्पृह सागरजी और समस्त आर्यिका संघ का सानिध्य प्राप्त हुआ। पद यात्रा का नेतृत्व कर रहे विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने समंग्र जैन समाज को भगवान नेमीनाथ के मोक्ष कल्याणक पर अधिक से अधिक संख्या में गिरनार तीर्थ पहुंचने का आव्हान किया। विश्व जैन संगठन के महिला विंग की संयोजिका रुचि दीदी ने भी अपने व्यक्तव्य के माध्यम से समाज से आह्वान करते हुए कहा कि 2 जुलाई को गिरनार तीर्थ पर भगवान के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाएं। इंदौर और आसपास के अनेक शहरों से समाज जन इस पदयात्रा के स्वागत के लिए इंदौर पधारे। परम पूज्य क्रांति कारी संत मुनि श्री प्रणुत सागर जी ने अपने उद्बोधन में समाज जन को प्रेणा देते हुए कहा कि इस बार इंदौर जैन समाज से भी हजारों की संख्या में समाज जन पहुंच कर भगवान नेमीनाथ स्वामी का भव्य मोक्ष कल्याणक बनाए। इस अवसर पर विभिन्न समाज बंधुओं द्वारा भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर गिरनार पर्वत के लिए बसों से समाज जन को लेकर जाने की घोषणा की गई। इंदौर समाज जन द्वारा समस्त विश्व जैन संगठन का सम्मान किया गया। इंदौर से यह यात्रा पद विहार करते हुए दाहोद, अहमदाबाद होते हुए गिरनार पहुंचेगी। सभा में नरेंद्र वेद, नवीन गोधा, टीके वेद, डॉ जैनेन्द्र जैन कातीलाल बम अशोक मेहता मनोज बाकलीवाल, कैलाश वेद, देवेंद्र सेठी, राकेश सिंघई, पिंकेश टोंग्या, विरेन्द्र बड़जात्या सुदीप जैन अनिल जेनको शिवपुरी से महेंद्र जैन भाइयन एवं रेखा जैन श्रीफल आदि अनेक गणमान्य समाज जन उपस्थित हुए पारस जैन, राहुल जैन और आकाश जैन आदि ने व्यवस्था में सहयोग दिया। स्वागत भाषण इंदौर इकाई के अध्यक्ष मयंक जैन ने दिया। सभा का संचालन नकुल पाटोदी, राहुल स्पोर्ट्स और महावीर जैन ने किया। आभार तीर्थ क्षेत्र कमेटी मध्यांचल के अध्यक्ष डीके जैन ने माना।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण, पर्यावरण जन जागृति अभियान

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इन्टरनेशनल सिटी बरगद सरक्षंण फाउंडेशन खारीया के सयुक्क्त तत्वाधान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कुचामन सिटी के अधिकारी रजनीश चौधरी व टीम के सानिध्य मे विश्व पर्यावरण दिवस गुरुवार को प्रातः 8 बजे सावित्री बाई फूले अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास परिसर न्यू स्टेडियम रिंग रोड पर वृहत पौधा रोपण कार्यक्रम रखा गया। आवौ अपना फर्ज निभाऐं प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाए पैड लगाओ जीवन बचाओ जल ही जीवन है जल हे तो कल है। की भावना से सहयोग कर पर्यावरण जागृति अभियान मे सहयोग करते संस्था के वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन, वीर रतनलाल मेघवाल, वीर सदींप पाडंया, वीर राजकुमार सोनी, अध्यापक विरेन्द्र सिह,वीर दिनेश लाडना, वीर सम्पत बगडिया,वीर आनन्द आशा, वीर विकास नीतू वीर आशीष दीप्ति नेहा जैन बरगद सरक्षण फाउंडेशन जी एस टी अधिकारी राजैश कुमावत, नेताराम कुमावत, डाः प्रदीप चौधरी, लायंन्स क्लब कुचामन फोर्ट के राम काबरा ने सहयोग किया। संस्था द्वारा पर्यावरण सरक्षण के लिए जागरूकता हेतु कपडे की थैली मेरी सहेली का उपयोग व सिगंल यूज प्लास्टिक का देनिक जीवन मे उपयोग कम कर स्टील व कांच के उपकरण का उपयोग मे लेने के सन्देंश के बेनर जगह जगह लगाकर आमजन मे प्रचार प्रसार कर जागरुकता का सन्देंश दिया वीर सुभाष पहाडिया ने सभी को सहयोग पर धन्यवाद ज्ञापित किया। -**सुभाष पहाडिया**